

श्रीः  
श्रीमते रामानुजाय नमः  
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

तिरुमळिशैप्पिरान् अरुळिच्चैय्द  
तिरुच्चन्दविरुत्तम्

*This document has been prepared by*

*Sunder Kidāmbi*

*with the blessings of*

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

*His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam*

श्रीः  
श्रीमते रामानुजाय नमः  
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

## तिरुच्चन्दविरुत्तम्

तनियन्गळ्

तरुच्चन्द प्पोळिल् तळुवु तारणियिन् तुयर् तीर\*  
तिरुच्चन्द विरुत्तम् शैय् तिरुमळिशै प्परन् वरुम् ऊर्\*  
करुच्चन्दुम् कारगिलुम् कमळ कोङ्गुम् मणनारुम्\*  
तिरुच्चन्द तुडन् मरुवु तिरुमळिशै वळम् पदिये

उलगुम् मळिशैयुम् उळ् उणर्न्दु\*  
तम्मिल् पुलवर् पुगळ् कोलाल् तूक्क\*  
उलगु तन्नै वैत्तैडुत्त पक्कत्तुम्\*  
मानीर् मळिशैये वैत्तैडुत्त पक्कम् वलिदु

‡ पू निलाय ऐन्दुम् आय्\*  
पुनक्कण् निन्ऱ नान्गुम् आय्\*  
ती निलाय मून्ऱुम् आय्\*  
शिरन्द काल् इरण्डुम् आय्\*  
मी निलायदोन्ऱुम् आगि\*  
वेरु वेरु तन्मै आय्\*  
नी निलाय वण्णम् निन्नै\*  
यार् निनैक्क वल्लरे ॥ 1 ॥

आरुम् आरुम् आरुम् आय्\*  
ओर् ऐन्दुम् ऐन्दुम् ऐन्दुम् आय्\*  
एरु शीर् इरण्डु मून्ऱुम्\*

एळुम् आरुम् ऐट्टुम् आय्\*  
 वेरु वेरु जानम् आगि\*  
 मैय्यिनोडु पौय्युम् आय्\*  
 ऊर्रोडोशै आय ऐन्दुम्\*  
 आय आय मायने ! ॥ 2 ॥

ऐन्दुम् ऐन्दुम् ऐन्दुम् आगि\*  
 अल्ल वट्टुळायुम् आय्\*  
 ऐन्दु मून्नुम् ओन्नुम् आगि\*  
 निन्ऱ आदि तेवने\*  
 ऐन्दुम् ऐन्दुम् ऐन्दुम् आगि\*  
 अन्दरत्तणैन्दु निन्ऱु\*  
 ऐन्दुम् ऐन्दुम् आय निन्नै\*  
 यावर् काण वल्लरे ॥ 3 ॥

मून्नु मुप्पदारिनोडु\*  
 ओर् ऐन्दुम् ऐन्दुम् ऐन्दुम् आय्\*  
 मून्नु मूर्त्ति आगि मून्नु\*  
 मून्नु मून्नु मून्नुम् आय्\*  
 तोन्नु शोदि मून्नुम् आय्\*  
 तुळक्कम् इल् विळक्कमाय्\*  
 एन्ऱेन् आवियुळ् पुगुन्ददु\*  
 ऐन् कौलो ऐम् ईशने ! ॥ 4 ॥

निन्ऱियङ्गुम् ओन्ऱला\*  
 उरुक्कळ् तोरुम् आवियाय्\*  
 ओन्ऱि उळ् कलन्दु निन्ऱ\*  
 निन्न तन्मै इन्नदेन्नु\*

ऐन्नुम् यार्क्कुम् ऐण् इरन्द\*  
 आदियाय् ! निन् उन्दिवाय्\*  
 अन्नु नान्मुगन् पयन्द\*  
 आदि तेवन् अल्लैये ॥ 5 ॥

नागम् एन्दु मेरु वैच्यै\*  
 नागम् एन्दु मण्णिनै\*  
 नागम् एन्दुम् आग माग\*  
 मागम् एन्दु वार् पुनल्\*  
 मागम् एन्दु मङ्गुल् ती ओर्\*  
 वायु ऐन्दमैन्दु कात्तु\*  
 एगम् एन्दि निन्ऱ नीमै\*  
 निन्ऱाणे इयन्ऱदे ॥ 6 ॥

ओन्ऱिरण्डु मूर्त्ति आय्\*  
 उरक्कमोडुणार्च्चि आय्\*  
 ओन्ऱिरण्डु कालम् आगि\*  
 वैलै जालम् आयिनाय्\*  
 ओन्ऱिरण्डु तीयुम् आगि\*  
 आयन् आय मायने\*  
 ओन्ऱिरण्डु कण्णिनानुम्\*  
 उन्नै एत्त वल्लने ॥ 7 ॥

आदि आन वानवर्क्कुम्\*  
 अण्डम् आय अप्पुरत्तु\*  
 आदि आन वानवर्क्कुम्\*  
 आदि आन आदि नी\*  
 आदि आन वान वाणर्\*

अन्द कालम् नी उरैत्ति \*  
 आदि आन कालम् निन्नै \*  
 यावर् काण वल्लरे ॥ 8 ॥

तादुलावु कौन्नै मालै \*  
 तुन्नु शैम् शडै चिवन् \*  
 नीदियाल् वणङ्गु पाद ! \*  
 निन्मला ! निलाय शीर् \*  
 वेदवाणर् कीद वेळ्ळि \*  
 नीदि आन केळ्ळियार् \*  
 नीदियाल् वणङ्गुगिन्ऱ \*  
 नीमै निन्नाण् निन्ऱदे ॥ 9 ॥

तन्नुळे तिरैत्तैळुम् \*  
 तरङ्ग वैण् तडम् कडल् \*  
 तन्नुळे तिरैत्तैळुन्दु \*  
 अडङ्गुगिन्ऱ तन्मै पोल् \*  
 निन्नुळे पिरन्दिरन्दु \*  
 निन्पवुम् तिरिबवुम् \*  
 निन्नुळे अडङ्गुगिन्ऱ \*  
 नीमै निन्नाण् निन्ऱदे ॥ 10 ॥

शौल्लिनाल् तौडर्च्चि नी \*  
 शौलप्पडुम् पौरुळुम् नी \*  
 शौल्लिनाल् शौलप्पडादु \*  
 तोन्नुगिन्ऱ शोदि नी \*  
 शौल्लिनाल् पडैक्क \*  
 नी पडैक्क वन्दु तोन्ऱिनार् \*

शौल्लिनाल् शुरुङ्ग\*  
निन् कुणङ्गळ् शौल्ल वल्लरे ॥ 11 ॥

उलगु तन्नै नी पडैत्ति\*  
उळ् ओडुक्कि वैत्ति\*  
मीण्डुलगु तन्नूळे पिरत्ति\*  
ओर् इडत्तै अल्लैयाल्\*  
उलगु निन्नोडोन्नि निन्क\*  
वेरु निद्रि आदलाल्\*  
उलगिल् निन्नै उळ्ळु शूळल्\*  
यावर् उळ्ळु वल्लरे ॥ 12 ॥

इन्नै ऐन्दु शौल्लल् आवदु\*  
इल्लै यादुम् इट्टिडै\*  
पिन्नै केळ्वन् ऐन्बर्\*  
उन् पिणक्कुणर्न्द पेट्रियोर्\*  
पिन्नै आय कोलमोडु\*  
पेरुम् ऊरुम् आदियुम्\*  
निन्नैयार् निनैक्क वल्लर्\*  
नीर्मेयाल् निनैक्किले ! ॥ 13 ॥

तूय्यै योगम् आयिनाय्\*  
तुळाय् अलङ्गल् मालैयाय्\*  
आमै आगि आळ् कडल् तुयिन्ऱ\*  
आदि तेव\*  
निन् नामदेयम् इन्नदैन्न\*  
वल्लम् अल्लम् आगिलुम्\*

शाम वेद कीदनाय \*  
शक्रबाणि अल्लैये ॥ 14 ॥

अङ्गम् आरुम् वेद नान्गुम् \*  
आगि निन्ऱवट्टुळे \*  
तङ्गुगिन्ऱ तन्मैयाय् ! \*  
तडङ्गडल् पणत्तलै \*  
शैङ्गण् नागणै क्किडन्द \*  
शैल्व मल्लु शीरिनाय् \*  
शङ्ग वण्णम् अन्न मेनि \*  
शार्ङ्गबाणि अल्लैये ॥ 15 ॥

तलै क्कणत्तुगळ् कुळम्बु \*  
शादि शोदि तोट्टमाय् \*  
निलै क्कणङ्गळ् काण वन्दु \*  
निट्टि एलुम् नीडिरुम् \*  
कलै क्कणङ्गळ् शौन्पोरुळ् \*  
करुत्तिनाल् निनैक्कोणा \*  
मलै क्कणङ्गळ् पोल् उणर्त्तुम् \*  
माट्टि निन्ऱन् माट्टिये ॥ 16 ॥

एग मूर्ति मून्ऱु मूर्ति \*  
नालु मूर्ति नन्मै शेर् \*  
पोग मूर्ति पुण्णियत्तिन् मूर्ति \*  
ऐण् इल् मूर्ति आय् \*  
नाग मूर्ति शयनम् आय् \*  
नलम् कडल् किडन्दु \*

मेल् आग मूर्ति आय वण्णम्\*  
 ऐन् कौल् आदि तेवने ! ॥ 17 ॥

विडत्त वाय् ओर् आयिरम्\*  
 इरायिरम् कण् वेन्दळल्\*  
 विडत्तु वीळ्विलाद पोगम्\*  
 मिक्क शोदि तौक्क शीर्\*  
 तौडुत्तु मेल् विदानम् आय\*  
 पौवनीर् अरा अणै\*  
 पडुत्त पायल् पळ्ळि कौळ्वदु\*  
 ऐन् कौल् वेलै वण्णणे ! ॥ 18 ॥

पुळ् अदागि वेदम् नान्गुम्\*  
 ओदिनाय् अदन्नियुम्\*  
 पुळ्ळिन् वाय् पिळन्दु\*  
 पुङ्कोडि प्पिडित्त पिन्नरुम्\*  
 पुळ्ळै ऊर्दि आदलाल्\*  
 अर्देन् कौल् मिन् कौळ् नेमियाय् !\*  
 पुळ्ळिन् मैय् प्पगै क्कडल् किडत्तल्\*  
 कादलित्तदे ॥ 19 ॥

कूशम् ओन्नुम् इन्नि\*  
 माशुणम् पडुत्तु वेलै नीर्\*  
 पेश निन्ऱ तेवर् वन्दु\*  
 पाड मुन् किडन्ददुम्\*  
 पाशम् निन्ऱ नीरिल् वाळुम्\*  
 आमैयान केशवा\*

एश अन्नु नी किडन्दवारु\*  
कूरु तेरवे ॥ 20 ॥

अरङ्गने ! तरङ्गनीर्\*  
कलङ्ग अन्नु कुन्नु शूळ\*  
मरङ्गळ् तेय मानिलम् कुलुङ्ग\*  
माशुणम् शुलाय\*  
नैरुङ्गनी कडैन्द पोदु\*  
निन्ऱ शूरर् ऐन् शैय्दार्\*  
कुरङ्गै आळ् उगन्द ऐन्दै !\*  
कूरु तेर वेरिदे ॥ 21 ॥

पण्डुम् इन्नुम् मेलुम् आय\*  
ओर् पालन् आगि जालम् एळुम्\*  
उण्डु मण्डि आल् इलै तुयिन्ऱ\*  
आदि तेवने !\*  
वण्डु किण्डु तण् तुळाय\*  
अलङ्गलाय ! कलन्द शीर्\*  
पुण्डरीग पावै शेरुम्\*  
मार्ब ! पूमि नादने ! ॥ 22 ॥

वाल् निरत्तौर् शीयम् आय\*  
वळैन्द वाळ् ऐयिट्रवन्\*  
ऊन् निरत्तुगिर्त्तलम्\*  
अळुत्तिनाय ! उलाय शीर्\*  
नाल् निरत्त वेदनावर्\*  
नल्ल योगिनाल् वणङ्गु\*

पाल् निर क्कडल् किडन्द\*  
पप्पनाबन् अल्लैये ॥ 23 ॥

गङ्गै नीर् पयन्द पाद\*  
पङ्गयत्तैम् अण्णाले\*  
अङ्गै आळि शङ्गु तण्डु\*  
विल्लुम् वाळुम् एन्दिनाय्\*  
शिङ्गम् आय तेव तेव !\*  
तेन् उलावु मैन् मलर्\*  
मङ्गै मन्नि वाळु मार्ब !\*  
आळि मेनि मायने ! ॥ 24 ॥

वरत्तिनिल् शिरत्तै मिक्क\*  
वाळ् ऐयिट्टु मद्रवन्\*  
उरत्तिनिल् करत्तै वैत्तु\*  
उगिर्त्तलत्तै ऊन्दिनाय्\*  
इरत्ति नी इदैन्न पोय्\*  
इरन्द मण् वयिट्टुळे करत्ति\*  
उन् करुत्तै\*  
यावर् काण वल्लर् कण्णने ! ॥ 25 ॥

आणिनोडु पेण्णुम् आगि\*  
अल्लवोडु नल्लवाय्\*  
ऊणोडोशै ऊरुम् आगि\*  
ओन्ऱलाद मायै आय्\*  
पूणि पेण्णुम् आयन् आगि\*  
पोय्यिनोडु मैय्युम् आय्\*

काणि पेणुम् माणि आय्\*  
करन्दु शेन्ऱ कळ्वने ! ॥ 26 ॥

विण् कडन्द शोदियाय्\*  
विळङ्गु जान मूर्तियाय्\*  
पण् कडन्द तेश मेवु\*  
पावनाश नादने\*  
ऐण् कडन्द योगिनोडु\*  
इरन्दु शेन्ऱु माणि आय्\*  
मण् कडन्द वण्णम् निन्नै\*  
यार् मदिक्क वल्लरे ॥ 27 ॥

पडैत्त पार् इडन्दळन्दु\*  
अदुण्डुमिळन्दु पौवनीर्\*  
पडैत्तडैत्तदिर् किडन्दु\*  
मुन् कडैन्द पेट्रियोय्\*  
मिडैत्त मालि मालिमान्\*  
विलङ्गु कालन् ऊर् पुग\*  
पडैक्कलम् विडुत्त\*  
पल् पडै तडक्कै मायने ! ॥ 28 ॥

परत्तिलुम् परत्तै आदि\*  
पौवनीर् अणै क्किडन्दु\*  
उरत्तिलुम् औरुत्ति तन्नै\*  
वैत्तुगन्ददन्नियुम्\*  
नरत्तिलुम् पिरत्ति\*  
नाद जान मूर्ति आयिनाय्\*

औरुत्तरुम् निनादु तन्मै \*  
इन्नदेन्न वल्लरे ॥ 29 ॥

वानगमुम् मण्णगमुम् \*  
वैन्पुम् एळ कडलाळुम् \*  
पोनगम् शैय्दालिलै तुयिन्ऱ \*  
पुण्डरीगने \*  
तेन् अगम् शैय् तण् नरुम् \*  
मलर्त्तुळाय् नन् मालैयाय् \*  
कून् अगम् पुगत्तैरित्त \*  
कौद्र विल्लिल अल्लैये ॥ 30 ॥

कालनेमि कालने ! \*  
कणक्किलाद कीर्त्तियाय् \*  
जालम् एळुम् उण्डु \*  
पण्डोर् पालनाय पण्बने \*  
वेलैवेव विल् वळैत्त \*  
वैल् शिनत्त वीर \*  
निन् पालराय पत्तर् शित्तम् \*  
मुत्ति शैय्युम् मूर्त्तिये ! ॥ 31 ॥

कुरक्किन प्पडै कौडु \*  
कुरै कडलिन् मीदु पोय् \*  
अरक्कर् अङ्गरङ्ग \*  
वैम् शरम् तुरन्द आदि नी \*  
इरक्क मण् कौडुत्तवक्कु \*  
इरुक्कम् औन्नुम् इन्ऱिये \*

परक्क वैत्तळन्दु कौण्ड \*  
पन्प पादन् अल्लैये ॥ 32 ॥

मिन् निरत्त ऐयिट्टरक्कन् वीळ \*  
वैम् शरम् तुरन्दु \*  
पिन्नवन्करुळ् पुरिन्दु \*  
अरशळित्त पैट्रियोय् \*  
नन्निरत्तोर् इन् शौल् एळै \*  
पिन्नै केळ्व ! मन्नु शीर् \*  
पोन् निरत्त वण्णन् आय \*  
पुण्डरीगन् अल्लैये ॥ 33 ॥

आदि आदि आदि नी \*  
ओर् अण्डम् आदि आदलाल् \*  
शोदियाद शोदि नी \*  
अदुण्मैयिल् विळङ्गिनाय् \*  
वेदम् आगि वेळ्व आगि \*  
विण्णिनोडु मण्णुम् आय् \*  
आदि आगि आयन् आय \*  
मायम् ऐन्न मायमे ॥ 34 ॥

अम्बुलावु मीनुम् आगि \*  
आमै आगि आळियार् \*  
तम् पिरानुम् आगि मिक्कदु \*  
अन्बु मिक्कदन्नियुम् \*  
कौम्बरावु नुण् मरुङ्गुल् \*  
आयर् मादर् पिळ्ळैयाय् \*

ऐम्बिरानुम् आय वण्णम्\*  
ऐन् कौलो ऐम् ईशने ! ॥ 35 ॥

आडगत्त पूण् मुलै\*  
यशोदै आच्चि पिळ्ळैयाय्\*  
शाडुदैत्तोर् पुळ्ळुदावि\*  
कळ्ळु ताय पेय्मगळ्\*  
वीड वैत्त वैय्य कौङ्गै\*  
ऐय पाल् अमुदु शैय्दु\*  
आडग कै मादर् वाय् अमुदम्\*  
उण्डदेन् कौलो ॥ 36 ॥

काय्त नीळ् विळङ्गनि उदित्तु\*  
ऐदिन्द पूङ्गुरुन्दम् शाय्तु\*  
मा पिळन्द कैत्तलत्त\*  
कण्णन् ऐन्बराल्\*  
आच्चि पालै उण्डु मण्णै उण्डु\*  
वैण्णैय् उण्डु\*  
पिन् पेच्चि पालै उण्डु\*  
पण्डोर् एनम् आय वामना ! ॥ 37 ॥

कडम् कलन्द वन् करि\*  
मरुप्पोशित्तोर् पोय्यैवाय्\*  
विडम् कलन्द पाम्बिन् मेल्\*  
नडम् पयिन्ऱ नादने\*  
कुडम् कलन्द कूत्तन् आय\*  
कौण्डल् वण्ण ! तण् तुळ्ळाय्\*

वडम् कलन्द मालै मार्ब ! \*  
कालनेमि कालने ! ॥ 38 ॥

वैन्पेडुत्तु वेलै नीर् \*  
कलक्किनाय् अदन्नियुम् \*  
वैन्पेडुत्तु वेलै नीर् \*  
वरम्बु कट्टि वेलै शूळ \*  
वैन्पेडुत्त इञ्जि शूळ \*  
इलङ्गै कट्टळित्त नी \*  
वैन्पेडुत्तु मारि कात्त \*  
मेग वण्णन् अल्लैये ! ॥ 39 ॥

आनै कात्तोर् आनै कौन्नु \*  
अदन्नि आयर् पिळ्ळैयाय् \*  
आनै मेय्त्ति आनै उण्डि \*  
अन्नु कुन्ऱम् ओन्निनाल् \*  
आनै कात्तु मै अरि क्कण् \*  
मादर् आर् तिरत्तु \*  
मुन् आनै अन्नु शेन्ऱडर्त्त \*  
मायम् ऐन्न मायमे ॥ 40 ॥

आयन् आगि आयर् मङ्गै \*  
वेय तोळ् विरुम्बिनाय् \*  
आय ! निन्नै यावर् वल्लर् \*  
अम्बरत्तोडिम्बराय् \*  
माय ! माय मायै कौल् \*  
अदन्नि नी वगुत्तलुम् \*

माय मायम् आक्किनाय्\*  
उन् माय मुट्टुम् मायमे ॥ 41 ॥

वेरिशैन्द शैक्कर् मेनि\*  
नीरणिन्द पुन् शडै\*  
कीरु तिङ्गळ् वैत्तवन्\*  
कै वैत्त वन् कपाल् मिशै\*  
ऊरु शैम् कुरुदियाल्\*  
निरैत्त कारणम् तनै\*  
एरु शैन्डर्त्त ईश !\*  
पेशु कूशम् इन्निये ॥ 42 ॥

वैम् शिनत्त वेळवैण्\*  
मरुप्पोशित्तरुत्तमा\*  
कञ्जनै क्कडिन्दु\*  
मण् अळन्दु कौण्ड कालने\*  
वञ्जनत्तु वन्द पेय्च्चि\*  
आवि पालुळ् वाङ्गिनाय्\*  
अञ्जनत्त वण्णनाय\*  
आदि तेवन् अल्लैये ॥ 43 ॥

पालिन् नीमै शैम् पौन् नीमै\*  
पाशियिन् पशुम् पुरम्\*  
पोलुम् नीमै पौन्पुडै त्तडत्तु\*  
वण्डु विण्डुलाम्\*  
नील नीमै ऐन्नियै\*  
निरैन्द कालम् नान्गुमाय्\*

मालिन् नीमै वैयगम्\*  
मरैत्तदेन्न नीमैये ॥ 44 ॥

मण् उळाय् कौल् विण् उळाय् कौल्\*  
मण्णुळे मयङ्गि निन्नु\*  
ऐण्णुम् ऐण् अगप्पडाय् कौल्\*  
ऐन्न मायै\*  
निन् तमर् कण् उळाय् कौल् शेयै कौल्\*  
अनन्दन् मेल् किडन्द ऐम् पुण्णिया\*  
पुनम् तुळाय्\*  
अलङ्गल् अम् पुनिदने ! ॥ 45 ॥

तोडु पेट्र तण् तुळाय्\*  
अलङ्गल् आडु शेन्नियाय्\*  
कोडु पट्रि आळि एन्दि\*  
अम् शिरै प्पुळ् ऊर्दियाल्\*  
नाडु पेट्र नन्मै\*  
नण्णम् इल्लै येनुम् नायिनेन्\*  
वीडु पेट्रिरप्पोडुम्\*  
पिरप्परुक्कुमा शौले ॥ 46 ॥

कारौडौत्त मेनि नङ्गळ्\*  
कण्ण ! विण्णिन् नादने\*  
नीर् इडत्तरा अणै क्किडत्ति\*  
ऐन्बर् अन्नियुम्\*  
ओर् इडत्तै अल्लै\*  
ऐल्लै इल्लै ऐन्बर् आदलाल्\*

शेर्विडत्तै नायिनेन्\*  
तेरिन्दिरैञ्जुमा शौले ॥ 47 ॥

कुन्निल् निन्दु वान् इरुन्दु\*  
नीळ् कडल् किडन्दु\*  
मण् ओन्दु शेन् तौन्नै उण्डु\*  
अदोन्निरिडन्दु पन्नि आय्\*  
नन्दु शेन् नाळ् अवट्टुळ्\*  
नल् उयिर् पडैत्तवर्कु\*  
अन्दु तेव मैत्तळित्त\*  
आदि तेवन् अल्लैये ॥ 48 ॥

‡ कौण्डै कौण्ड कोदै मीदु\*  
तेन् उलावु कूनि कून्\*  
उण्डै कौण्डरङ्ग ओट्टि\*  
उळ् मगिळ्न्द नादन् ऊर्\*  
नण्डै उण्डु नारै पेर\*  
वालै पाय नीलमे\*  
अण्डै कौण्डु केण्डै मेयुम्\*  
अन्दणीर् अरङ्गमे ॥ 49 ॥

वैण् तिरै करुङ्गडल्\*  
शिवन्दु वेव मुन् ओर् नाळ्\*  
तिण् तिरल् शिलैक्कै वाळि\*  
विट्टु वीरर् शेरुम् ऊर्\*  
ऐण् तिशै क्कणङ्गळुम्\*  
इरैञ्जि आडु तीर्त्त नीर्\*

वण्डिरैत्त शोलै वेलि\*  
मन्नु शीर् अरङ्गमे ॥ 50 ॥

शरङ्गळै तुरन्दु\*  
विल् वळैत्तिलङ्गै मन्नवन्\*  
शिरङ्गळ् पत्तरुत्तुदित्त\*  
शैल्वर् मन्नु पौन् इडम्\*  
परन्दु पौन् निरन्दु नुन्दि\*  
वन्दलैक्कुम् वार् पुनल्\*  
अरङ्गम् ऐन्बर्\*  
नान् मुगत्तयन् पणिन्द कोयिले ॥ 51 ॥

पौट्रै उट्र मुट्रल् यानै\*  
पोर् ऐदिन्दु वन्ददै\*  
पट्रि उट्रु मट्रदन्\*  
मरुप्पोशित्त पागन् ऊर्\*  
शिट्रैयिट्रु मुट्रल् मूङ्गिल्\*  
मून्नु तण्डर् ओन्निनर्\*  
अट्र पट्रर् शुट्रि वाळुम्\*  
अन्दणीर् अरङ्गमे ॥ 52 ॥

मोडियोडिलच्चै आय\*  
शाबम् ऐय्दि मुक्कणान्\*  
कूडु शेनै मक्कळोडु\*  
कौण्डु मण्डि वैञ्जमत्तोड\*  
वाणन् आयिरम् करम् कळित्त\*  
आदि माल्\*

पीडु कोयिल् कूडु नीर्\*  
अरङ्गम् ऐन्ऱ पेरदे ॥ 53 ॥

इलैत्तलै च्चरम् तुरन्दु\*  
इलङ्गै कट्टुळित्तवन्\*  
मलैत्तलै प्पिरन्दिळिन्दु\*  
वन्दु नुन्दु शन्दनम्\*  
कुलैत्तलैत्तिरुत्तोरिन्द\*  
कुङ्गुम कुळम्बिनोडु\*  
अलैत्तोळुगु काविरि\*  
अरङ्गमेय अण्णले ॥ 54 ॥

मन्नु मा मलर् क्किळत्ति\*  
वैय मङ्गै मैन्दनाय्\*  
पिन्नुम् आयर् पिन्ने तोळ्\*  
मणम् पुणर्न्ददन्ऱियुम्\*  
उन्न पादम् ऐन्न शिन्दै\*  
मन्न वैत्तु नल्लिनाय्\*  
पोन्नि शूळ् अरङ्गमेय\*  
पुण्डरीगन् अल्लैये ॥ 55 ॥

इलङ्गै मन्नन् ऐन्दोडैन्दु\*  
पैन्दलै निलत्तुग\*  
कलङ्ग अन्नु शेन्नु कौन्नु\*  
वेन्ऱि कौण्ड वीरने\*  
विलङ्गु नूलर् वेद नावर्\*  
नीदियान केळ्वियार्\*

वलम् कौळ कुडन्दैयुळ्\*  
किडन्द मालुम् अल्लैये ॥ 56 ॥

शङ्गु तङ्गु मुन्नौ नङ्गै\*  
कौङ्गै तङ्गल् उद्रवन्\*  
अङ्गम् मङ्ग अन्नु शैन्नु\*  
अडर्त्तैरिन्द आळियान्\*  
कौङ्गु तङ्गु वार् कुळल्\*  
मडन्दैमार् कुडैन्द नीर्\*  
पौङ्गु तण् कुडन्दैयुळ्\*  
किडन्द पुण्डरीगने ! ॥ 57 ॥

मरम् कैड नडन्दडर्त्तु\*  
मत्त यानै मत्तगत्तु\*  
उरम् कैड प्पुडैत्तु\*  
ओर् कौम्बोशित्तुगन्द उत्तमा\*  
तुरङ्गम् वाय् पिळन्दु\*  
मण् अळन्द पाद\*  
वेदियर् वरम् कौळ कुडन्दैयुळ्\*  
किडन्द मालुम् अल्लैये ॥ 58 ॥

शालि वेलि तण् वयल्\*  
तडम् किडङ्गु पूम् पौळिल्\*  
कोल माडनीडु\*  
तण् कुडन्दै मेय कोवला\*  
कालनेमि वक्करन्\*  
करन् मुरन् शिरम् अवै\*

कालनोडु कूड \*  
विर् कुनित्त विर् कै वीरने ! ॥ 59 ॥

‡ शौळुम् कौळुम् पैरुम्बनि \*  
पौळिन्दिड \*  
उयर्न्द वेय् विळुन्दुलर्न्देळुन्दु \*  
विण् पुडैक्कुम् वेङ्गडत्तुळ् निन्नु \*  
ऐळुन्दिरुन्दु तेन् पौरुन्दु \*  
पूम्बोळिल् तळै कौळुम् \*  
शौळुम् तडम् कुडन्दैयुळ् \*  
किडन्द मालुम् अल्लैये ॥ 60 ॥

‡ नडन्द काल्वाळ् नौन्दवो \*  
नडुङ्ग जालम् एनमाय् \*  
इडन्द मैय् कुलुङ्गवो \*  
विलङ्गु माल् वरै चुरम् \*  
कडन्द काल् परन्द \*  
काविरि करै कुडन्दैयुळ् \*  
किडन्दवारैळुन्दिरुन्दु पेशु \*  
वाळि केशने ! ॥ 61 ॥

‡ करण्डम् आडु पौय्यैयुळ् \*  
करुम्बनै प्पैरुम् पळम् \*  
पुरण्डु वीळ् वाळै पाय् \*  
कुरुङ्गुडि नैडुन्दगाय् \*  
तिरण्ड तोळ् इरणियन् \*  
शिनम् कौळ् आगम् औन्नैयुम् \*

इरण्डु कूरु शैय्दुगन्द\*  
शिङ्गम् ऐन्बदुन्नैये ॥ 62 ॥

नन्निरुन्दु योग नीदि\*  
नण्णुवार्गळ् शिन्दैयुळ्\*  
शैन्निरुन्दु ती विनैगळ्\*  
तीर्त्त तेव तेवने\*  
कुन्निरुन्द माड नीडु\*  
पाडगत्तुम् ऊरगत्तुम्\*  
निन्निरुन्दु वैक्कणै क्किडन्ददु\*  
ऐन्न नीमैये ॥ 63 ॥

निन्दैन्दै ऊरगत्तु\*  
इरुन्दैन्दै पाडगत्तु\*  
अन्दु वैक्कणै क्किडन्ददु\*  
ऐन् इलाद मुन्नैलाम्\*  
अन्दु नान् पिरन्दिलेन्\*  
पिरन्द पिन् मरन्दिलेन्\*  
निन्दुम् इरुन्ददुम्\*  
किडन्ददुम् ऐन् नैज्जुळे ॥ 64 ॥

निन्पदुम् ओर् वैन्पगत्तु\*  
इरुप्पुम् विण् किडप्पदुम्\*  
नर् पैरुन् तिरै क्कडलुळ्\*  
नान् इलाद मुन्नैलाम्\*  
अन्पुदन् अनन्द शयनन्\*  
आदिबूदन् मादवन्\*

निन्पदुम् इरुप्पदुम्\*  
किडप्पदुम् ऐन् नैञ्जुळे ॥ 65 ॥

इन्नु शादल् निन्नु शादल्\*  
अन्नि यारुम् वैयगत्तु\*  
ओन्नि निन्नु वाळदल् इन्मै कण्डुम्\*  
नीशर् ऐन् कौलो\*  
अन्नु पार् अळन्द पाद पोदै\*  
ओन्नि वानिन्मेल्\*  
शैन्नु शैन्नु तेवराय्\*  
इरुक्किलाद वण्णमे ॥ 66 ॥

शण्ड मण्डलत्तिन् ऊडु\*  
शैन्नु वीडु पेट्टु\*  
मेल् कण्डु वीडिलाद कादल्\*  
इन्बम् नाळुम् ऐय्दुवीर्\*  
पुण्डरीग पाद पुण्य कीर्त्ति\*  
नुम् शैवि मडुत्तुण्डु\*  
नुम् उरु विनै\*  
तुयरुळ् नीङ्गि उय्म्मिनो ॥ 67 ॥

मुत्तिरत्तु वाणियत्तु\*  
इरण्डिल् ओन्नुम् नीशर्गळ्\*  
मत्तराय् मयङ्गुगिन्नु\*  
इट्टदिल् इरन्दु पोन्दु\*  
ऐत्तिरत्तुम् उय्वदोर्\*  
उबायम् इल्लै उय्युरिल्\*

तौत्तिरुत्त तण् तुळाय्\*  
नन् मालै वाळ्त्ति वाळ्मिनो ॥ 68 ॥

काणिलुम् उरु प्पोलार्\*  
शौविकिनाद कीर्तियार्\*  
पेणिलुम् वरम् तर\*  
मिडुक्किलाद तेवरै\*  
आणम् ऐन्ऱडैन्दु वाळुम्\*  
आदर्गाळ् ! ऐम् आदि पाल्\*  
पेणि नुम् पिरप्पेनुम्\*  
पिणक्करुक्क किट्टिरे ॥ 69 ॥

कुन्दमोडु शूलम् वेल्गळ्\*  
तोमरङ्गळ् तण्डु वाळ्\*  
पन्दमान तेवर्गळ्\*  
परन्दु वानगम् उर\*  
वन्द वाणन् ईर् ऐञ्जूरु\*  
तोळ्गळै तुणित्त नाळ्\*  
अन्द अन्द आगुलम्\*  
अमररे अरिवरे ॥ 70 ॥

वण्डुलावु कोदै मादर्\*  
कारणत्तिनाल् वैगुण्डु\*  
इण्ड वाणन् ईर् ऐञ्जूरु\*  
तोळ्गळै तुणित्त नाळ्\*  
मुण्डन् नीरन् मक्कळ् वैप्पु\*  
मोडियङ्गि ओडिड क्कण्डु\*

नाणि वाणनुक्किरङ्गिनान्\*  
ऐम् मायने ॥ 71 ॥

पोदिल् मङ्गै पूदल\*  
किळत्ति तेवि अन्ऱियुम्\*  
पोदुदङ्गु नान्मुगन् मगन्\*  
अवन् मगन् शौलिल्\*  
मादुदङ्गु कूरन्\*  
एरदूर्दि ऐन्ऱु वेद नूल्\*  
ओदुगिन्ऱदुण्मै\*  
अल्लदिल्लै मट्टुरैक्किले ॥ 72 ॥

मरम् पौद च्चरम् तुरन्दु\*  
वालि वीळ मुन् ओर् नाळ्\*  
उरम् पौद च्चरम् तुरन्द\*  
उम्बर् आळि ऐम्बिरान्\*  
वरम् कुरिप्पिल् वैत्तवर्कु\*  
अलादु वानम् आळिलुम्\*  
निरम्बु नीडु पोगम्\*  
ऐत्तिरत्तुम् यार्क्कुम् इल्लैये ॥ 73 ॥

अरिन्दरिन्दु वामनन्\*  
अडि इणै वणङ्गिनाल्\*  
शौरिन्देळुन्द जानमोडु\*  
शौल्वमुम् शिरन्दिडुम्\*  
मरिन्देळुन्द तैण् तिरैयुळ्\*  
मन्नु मालै वाळ्त्तिनाल्\*

परिन्देळुन्दु ती विनैगळ्\*  
पद्रुदल् पान्मैये ॥ 74 ॥

ओन्नि निन्दु नद्रवम् शैय्दु\*  
ऊळि ऊळिदोरेलाम्\*  
निन्दु निन्ऱवन् कुणङ्गळ्\*  
उळ्ळि उळ्ळम् तूयराय्\*  
शैन्दु शैन्दु तेव तेवर्\*  
उम्बर् उम्बर् उम्बर् आय्\*  
अन्नि ऐङ्गळ् शैङ्गण् मालै\*  
यावर् काण वल्लरे ॥ 75 ॥

पुन्बुल वळि अडैत्तु\*  
अरक्किलच्चिनै शैय्दु\*  
नन्बुल वळि तिरन्दु\*  
जान नन्चुडर् कौळी इ\*  
ऐन्बिल् ऐळ्ळि नैञ्जुरुगि\*  
उळ् कनिन्देळुन्ददोर्\*  
अन्बिल् अन्नि आळियानै\*  
यावर् काण वल्लरे ॥ 76 ॥

ऐट्टुम् ऐट्टुम् ऐट्टुम् आय्\*  
ओर् एळुम् एळुम् एळुम् आय्\*  
ऐट्टु मून्ऱुम् ओन्ऱुम् आगि\*  
निन्ऱ आदि तेवनै\*  
ऐट्टिन् आय पेदमोडु\*  
इरैञ्जि निन्ऱवन् पैयर्\*

ऐट्टैळुत्तुम् ओदुवार्गळ्\*  
वल्लर् वानम् आळवे ॥ 77 ॥

शोर्विलाद कादलाल्\*  
तौडक्करा मनत्तराय्\*  
नीर् अरा अणै क्किडन्द\*  
निन्मलन् नलम् कळल्\*  
आर्वमोडिरैञ्जि निन्नु\*  
अवन् पैयर् ऐट्टैळुत्तुम्\*  
वारम् आग ओदुवार्गळ्\*  
वल्लर् वानम् आळवे ॥ 78 ॥

पत्तिनोडु पत्तुम् आय्\*  
ओर् एळिनोडोर् ओन्बदाय्\*  
पत्तिनाल् दिशै क्कण् निन्ऱ\*  
नाडु पैट्र नन्मैयाय्\*  
पत्तिन् आय तोट्रमोडु\*  
ओर् आट्रल् मिक्क आदि पाल्\*  
पत्तराम् अवर्क्कलादु\*  
मुत्ति मुट्रल् आगुमे ॥ 79 ॥

वाशि आगि नेशम् इन्ऱि\*  
वन्दैदिन्द तेनुगन्\*  
नाशम् आगि नाळ् उलप्प\*  
नन्मै शेर् पनङ्गनिक्कु\*  
वीशि मेल् निमिन्द तोळिल्\*  
इल्लै आक्किनाय्\*

कळक्कु आशै आम् अवर्कलाल्\*  
अमरर् आगल् आगुमे ॥ 80 ॥

कडैन्दु पाक्कडल् किडन्दु\*  
कालनेमियै क्कडिन्दु\*  
उडैन्द वालि तन् तनक्कु\*  
उदव वन्दिरामनाय्\*  
मिडैन्द एळ् मरङ्गळुम्\*  
अडङ्ग ऐय्दु\*  
वेङ्गडम् अडैन्द माल पादमे\*  
अडैन्दु नाळुम् उयिम्मनो ॥ 81 ॥

ऐत्तिरत्तुम् औत्तु निन्दु\*  
उयर्न्दुयर्न्द पेट्रियोय्\*  
मुत्तिरत्तु मूरि नीर्\*  
अरावणै तुयिन्ऱ\*  
निन् पत्तुरुत्त शिन्दैयोडु\*  
निन्दु पाशम् विट्टवर्क्कु\*  
ऐत्तिरत्तुम् इन्बम्\*  
इङ्गुम् अङ्गुम् ऐङ्गुम् आगुमे ॥ 82 ॥

मट्टुलावु तण् तुळाय्\*  
अलङ्गलाय् ! पुलन् कळल्\*  
विट्टु वीळ्बिलाद पोगम्\*  
विण्णिल् नण्णि एरिनुम्\*  
ऐट्टिनोडिरण्डेनुम्\*  
कयिट्टिनाल् मनन्दनै क्कट्टि\*

वीडिलादु वैत्त\*  
कादल् इन्बम् आगुमे ॥ 83 ॥

पिन् पिरक्क वैत्तनन् कौल्\*  
अन्नि निन्दु तन् कळक्कु\*  
अन्बुरैक्क वैत्त नाळ्\*  
अरिन्दनन् कौल् आळियान्\*  
तन् तिरत्तौर् अन्बिला\*  
अरिविलाद नायिनेन्\*  
ऐन् तिरत्तिल् ऐन् कौल्\*  
ऐम्बिरान् कुरिप्पिल् वैत्तदे ॥ 84 ॥

नच्चरा अणै क्किडन्द\*  
नाद ! पाद पोदिनिल्\*  
वैत्त शिन्दै वाङ्गुवित्तु\*  
नीङ्गुविक्क नी इनम्\*  
मैय्तन् वल्लै आदलाल्\*  
अरिन्दनन् निन् मायमे\*  
उय्तु निन् मयक्किनिल्\*  
मयक्कल् ऐन्नै मायने ! ॥ 85 ॥

शाडु शाडु पादने !\*  
शलम् कलन्द पौय्यै वाय्\*  
आडराविन् वन् पिडर्\*  
नडम् पयिन्ऱ नादने\*  
कोडु नीडु कैय !\*  
शैय्य पाद नाळुम् उळ्ळिनाल्\*

वीडनाग मैशैयाद\*  
वण्णम् ऐन् कौल् कण्णने ! ॥ 86 ॥

नेट्टि पेट्ट कण्णन्\*  
विण्णिन् नादनोडु पोदिन् मेल्\*  
नट्टवत्तु नादनोडु\*  
मट्टुम् उळ्ळ वानवर्\*  
कट्ट पेट्टियाल् वणङ्गु पाद !\*  
नाद ! वेद\*  
निन् पट्टलाल् ओर् पट्टु\*  
मट्टदुट्टिलेन् उरैक्किले ॥ 87 ॥

वैळ्ळै वैलै वैन्पु नाट्टि\*  
वैळ् ऐयिट्टरा अळाय्\*  
अळ्ळला क्कडैन्द अन्नु\*  
अरु वरैक्कोर् आमैयाय्\*  
उळ्ळ नोयळ् तीर् मरुन्दु\*  
वानवर्क्कळित्त\*  
ऐम् वळ्ळलारै अन्नि\*  
मट्टोर् तैय्वम् नान् मदिप्पने ॥ 88 ॥

पार् मिगुत्त पारम्\*  
मुन् ओळ्ळिच्चुवान् अरुच्चुनन्\*  
तेर् मिगुत्तु मायम् आक्कि\*  
निन्नु कौन्नु वैन्नि शेर्\*  
मारदक्कु वान् कौडुत्तु\*  
वैयम् ऐवर् पालदाम्\*

शीर् मिगुत्त निन् अलाल्\*  
ओर् तैय्वम् नान् मदिप्पने ॥ 89 ॥

कुलङ्गळ् आय ईर् इरण्डिल्\*  
ओन्ऱिलुम् पिरन्दिलेन्\*  
नलङ्गळ् आय नन्कलैगळ्\*  
नाविलुम् नविन्ऱिलेन्\*  
पुलन्गळ् ऐन्दुम् वैन्ऱिलेन्\*  
पोरियिलेन् पुनिद\*  
निन् इलङ्गु पादम् अन्ऱि\*  
मट्रोर् पट्रिलेन् ऐम् ईशने ! ॥ 90 ॥

पण् उलावु मैन् मौळि\*  
पडै तडम् कणाळ् पौरुट्टु\*  
ऐण् इला अरक्करै\*  
नेरुप्पिनाल् नेरुक्किनाय्\*  
कण् अलाल् ओर् कण् इलेन्\*  
कलन्द शुट्रम् मट्रिलेन्\*  
ऐण् इलाद माय ! निन्नै\*  
ऐन्नुळ् नीक्कल् ऐन्नुमे ॥ 91 ॥

विडै कुलङ्गळ् एळ् अडर्त्तु\*  
वैन्ऱि वेन्कण् मादरार्\*  
कडि क्कलन्द तोळ् पुणर्न्द\*  
कालि आय ! वेलै नीर्\*  
पडैत्तडैत्तदिल् किडन्दु\*  
मुन् कडैन्दु निन् तनक्कु\*

अडैकलम् पुगुन्द ऐन्नै \*  
अञ्जल् ऐन्न वेण्डुमे ॥ 92 ॥

शुरुम्बरङ्गु तण् तुळाय् \*  
तुदैन्दलन्द पादमे \*  
विरुम्बि निन्निरैञ्जु वेन्कु \*  
इरङ्गरङ्ग वाणने \*  
करुम्बिरुन्द कट्टिये ! \*  
कडल् किडन्द कण्णने \*  
इरुम्बरङ्ग वैम् शरम् \*  
तुरन्द विल् इरामने ! ॥ 93 ॥

ऊनिल् मेय आवि नी \*  
उरुक्कमोडुणार्च्चि नी \*  
आनिल् मेय ऐन्दुम् नी \*  
अवट्टुळ् निन्न तूय्यै नी \*  
वानिनोडु मण्णुम् नी \*  
वळम् कडल् पयनुम् नी \*  
यानुम् नी अदन्नि \*  
ऐम्बिरानुम् नी इरामने ! ॥ 94 ॥

अडक्करुम् पुलन्नाळ् ऐन्दडक्कि \*  
आशैयाम् अवै \*  
तौडक्करुत्तु वन्दु \*  
निन् तौळिक्कण् निन्न ऐन्नै नी \*  
विड् करुदि मैय् शैयादु \*  
मिक्कोर् आशै आक्किलुम् \*

कडन्किडन्द निन् अलाल्\*  
ओर् कण् इलेन् ऐम् अण्णले ! ॥ 95 ॥

वरम्बिलाद माय ! माय !\*  
वैयम् एळुम् मैय्मैये\*  
वरम्बिल् ऊळि एत्तिलुम्\*  
वरम्बिलाद कीर्त्तियाय्\*  
वरम्बिलाद पल् पिरप्पु\*  
अरुत्तु वन्दु निन् कळल्\*  
पौरुन्दुमा तिरुन्द नी\*  
वरम् शैय् पुण्डरीगने ! ॥ 96 ॥

वैय्य आळि शङ्गु तण्डु\*  
विल्लुम् वाळुम् एन्दु शीर् कैय\*  
शैय्य पोदिल् मादु शेरुम्\*  
मार्ब नादने\*  
ऐयिल् आय आक्कै नोय्\*  
अरुत्तु वन्दु निन् अडैन्दु\*  
उय्वदोर् उबायम् नी\*  
ऐनक्कु नल्ग वेण्डुमे ॥ 97 ॥

मरम् तुरन्दु वञ्जमाद्रि\*  
ऐम् पुलन्गळ् आशैयुम् तुरन्दु\*  
निन् कण् आशैये\*  
तौडर्न्दु निन्ऱ नायिनेन्\*  
पिरन्दिऱन्दु पेर् इडर्\*  
शुळिक्कणिन्ऱु नीङ्गुमा\*

मरन्दिडादु मट्टेनक्कु \*  
माय ! नल्ग वेण्डुमे ॥ 98 ॥

काट्टिनान् शैय् वल् विनै \*  
पयन् तनाल् मनन्दनै \*  
नाट्टि वैत्तु नल्ल अल्ल \*  
शैय्य ऐण्णिनार् ऐन \*  
केट्टुदन्नि ऐन्नदावि \*  
पिन्नै केळ्व ! निन्नोडुम् \*  
पूट्टि वैत्त ऐन्नै \*  
निन्नुळ् नीक्कल् पूवै वण्णने ! ॥ 99 ॥

पिरप्पिनोडु पेर् इडर् \*  
शुळिक्कण् निन्नुम् नीङ्गुम् अग्दु \*  
इरप्प वैत्त जान नीशरै \*  
करै क्कोडेट्टुमा \*  
पैरन्करिय निन्न पाद \*  
पत्ति आन पाशानम् \*  
पिरन्करिय मायने ! \*  
ऐनक्कु नल्ग वेण्डुमे ॥ 100 ॥

‡ इरन्दुरैप्पदुण्डु वाळि \*  
एम नीर् निरत्तमा \*  
वरम् तरुम् तिरुक्कुरिप्पिल् \*  
वैत्तदागिल् मन्नु शीर् \*  
परन्द शिन्दै ओन्नि निन्नु \*  
निन्न पाद पङ्गयम् \*

निरन्दरम् निनैप्पदाग \*  
नी निनैक्क वेण्डुमे ॥ 101 ॥

विळ्विलाद कादलाल् \*  
विळङ्गु पाद पोदिल् वैत्तु \*  
उळ्ळु वेनदून नोय् \*  
ओळ्ळिक्कुमा तैळ्ळिक्कु नीर् \*  
पळ्ळि माय पन्नि आय \*  
वेन्नि वीर \*  
कुन्निनाल् तुळ्ळुनीर् वरम्बु शैय्द \*  
तोन्ऱल् ओन्ऱु शौल्लिडे ॥ 102 ॥

तिरु क्कलन्दु शेरु मार्ब ! \*  
तेव तेव तेवने \*  
इरु क्कलन्द वेद नीदि \*  
आगि निन्ऱ निन्मला \*  
करु क्कलन्द काळमेग \*  
मेनि आय निन् पैयर् \*  
उरु क्कलन्दोळिविलादु \*  
उरैक्कुम् आरुरै शैये ॥ 103 ॥

कडुङ्गवन्दन् वक्करन् \*  
करन् मुरन् शिरम् अवै \*  
इडन्दु कूरु शैय्द \*  
पल् पडै त्तडक्कै मायने \*  
किडन्दिरुन्दु निन्ऱियङ्गु पोदुम् \*  
निन्न पौक्कळल् \*

तौडन्दु विळ्ळिलाददोर्\*  
तौडर्च्चि नल्ग वेण्डुमे ॥ 104 ॥

मण्णै उण्डुमिळ्ळन्दु\*  
पिन् इरन्दु कौण्डळन्दु\*  
मण् कण्णुळ् अल्लदिल्लै ऐन्दु\*  
वेन्ऱ कालम् आयिनाय्\*  
पण्णै वेन्ऱ इन् शौल् मङ्गै\*  
कौङ्गै तङ्गु पङ्गय क्कण्ण\*  
निन्न वण्णम् अल्लदिल्लै\*  
ऐण्णुम् वण्णमे ॥ 105 ॥

करुत्तेदिन्द कालनेमि\*  
कालनोडु कूड\*  
अन्ऱरुत्त आळि शङ्गु तण्डु\*  
विल्लुम् वाळुम् एन्दिनाय्\*  
तौरु क्कलन्द ऊनम् अग्दु\*  
ओळिक्क अन्नु कुन्ऱम् मुन्\*  
पौरुत्त निन् पुगळ्क्कलाल्\*  
ओर् नेशम् इल्लै नैञ्जमे ! ॥ 106 ॥

काय् शिनत्त काशि मन्नन्\*  
वक्करन् पवुण्डिरन्\*  
माशिनत्त मालि मान्\*  
शुमालि केशि तेनुकन्\*  
नाशम् उट्टु वीळ् नाळ्\*  
कवर्न्द निन् कळ्क्कलाल्\*

नेश पाशम् ऐत्तिरत्तुम्\*  
वैत्तिडेन् ऐम् ईशने ! ॥ 107 ॥

केडिल् शीर् वरत्तनाय्\*  
केडुम् वरत्तयन् अरन्\*  
नाडिनोडु नाट्टुम् आयिरत्तन्\*  
नाडु नण्णिनुम्\*  
वीडदान पोगम् ऐय्दि\*  
वीद्रिरुन्द पोदिलुम्\*  
कूडुम् आशै अल्लदोन्नु\*  
कोळ्वनो कुरिप्पिले ॥ 108 ॥

शुरुक्कु वारै इन्निये\*  
शुरुङ्गिनाय् शुरुङ्गियुम्\*  
पैरुक्कु वारै इन्निये\*  
पैरुक्क मैय्दु पैद्रियोय्\*  
शैरुक्कुवार्गळ् ती कुणङ्गळ्\*  
तीर्त्त तेव तेवन् ऐन्नु\*  
इरुक्कु वाय् मुनि क्कणङ्गळ् एत्त\*  
यानुम् एत्तिनेन् ॥ 109 ॥

तूयन् आयुम् अन्नियुम्\*  
शुरुम्बुलावु तण् तुळाय्\*  
माय ! निन्नै नायिनेन्\*  
वणङ्गि वाळ्त्तुम् ईदेलाम्\*  
नीयुम् निन् कुरिप्पिनिल्\*  
पौरुत्तु नल्लु वेलै नीर्\*

पायलोडु पत्तर् शित्तम्\*  
मेय वेलै वण्णने ! ॥ 110 ॥

वैदु निन्नै वल्लवा\*  
पळित्तवर्कुम् मारिल् पोर्\*  
शैय्दु निन्न शेट्ट तीयिल्\*  
वैन्दवर्कुम् वन्दुन्नै\*  
ऐय्दल् आगुम् ऐन्बर् आदलाल्\*  
ऐम् माय ! नायिनेन्\*  
शैय्द कुट्टम् नट्टम् आगवे कौळ्\*  
जाल नादने ! ॥ 111 ॥

वाळाळ् आगि नाळाळ् शैल्ल\*  
नोय्यै कुन्नि मूप्पैय्दि\*  
माळुनाळ् अदादलाल्\*  
वणङ्गि वाळ्त्तेन् नैञ्जमे\*  
आळदागुम् नन्मै ऐन्नु\*  
नन्गुणर्न्ददन्नियुम्\*  
मीळ्विलाद पोगम् नल्ग वेण्डुम्\*  
माल पादमे ॥ 112 ॥

शलम् कलन्द शैम् शडै\*  
करुत्त कण्डन् वैण् तलै\*  
पुलन् कलङ्ग उण्ड पादगत्तन्\*  
वन् तुयर् कैड\*  
अलङ्गल् मार्विल् वाश नीर्\*  
कौडुत्तवन् अडुत्त शीर्\*

नलम् कौळ् मालै नण्णुम् वण्णम्\*  
ऐण्णु वाळि नैञ्जमे ! ॥ 113 ॥

ईनमाय ऐट्टुम् नीक्कि\*  
एदम् इन्नि मीदु पोय्\*  
वानम् आळ वल्लै एल्\*  
वणङ्गि वाळत्तेन् नैञ्जमे\*  
जानम् आगि आयिरागि\*  
जाल मुट्टुम् ओर् ऐयिट्टु\*  
एनमाय् इडन्द मूर्ति\*  
ऐन्दै पादम् ऐण्णिये ॥ 114 ॥

‡ अत्तन् आगि अन्नै आगि\*  
आळुम् ऐम् पिरानुम् आय्\*  
ओत्तोव्वाद पल् पिरप्पोळित्तु\*  
नम्मै आट्टोळ्वान्\*  
मुत्तनार् मुगुन्दनार्\*  
पुगुन्दु नम्मुळ् मेविनार्\*  
ऐत्तिनाल् इडर्कडल् किडत्ति\*  
एळै नैञ्जमे ॥ 115 ॥

मारु शैय्द वाळ् अरक्कन्\*  
नाळ् उलप्प\*  
अन्निलङ्गै नीरु शैय्दु शैन्नु कौन्नु\*  
वेन्नि कौण्ड वीरनार्\*  
वेरु शैय्दु तम्मुळ् ऐन्नै\*  
वैत्तिडामैयाल्\*

नमन् कूरु शैय्दु कौण्डिरन्द\*  
कुट्रम् ऐण्ण वल्लने ॥ 116 ॥

अच्चम् नोयोडल्लल्\*  
पल् पिरप्पवाय मूप्पिवै\*  
वैत्त शिन्दै वैत्त आक्कै\*  
माद्रि वानिल् एट्टुवान्\*  
अच्चुदन् अनन्द कीर्त्ति\*  
आदि अन्दम् इल्लवन्\*  
नच्चु नागणै क्किडन्द\*  
नादन् वेद कीदने ॥ 117 ॥

शौल्लिनुम् तौळिक्कणुम्\*  
तौडक्कराद अन्बिनुम्\*  
अल्लुम् नन् पगलिनोडुम्\*  
आन मालै कालैयुम्\*  
वल्लि नाण्मलर् क्किळत्ति\*  
नाद ! पाद पोदिनै\*  
पुल्लि उळ्ळुम् विळ्ळिलादु\*  
पूण्डु मीण्डदिल्लैये ॥ 118 ॥

‡ पौन्नि शूळ् अरङ्गमेय\*  
पूवै वण्ण ! माय ! केळ्\*  
ऐन्नदावि ऐन्नुम्\*  
वल् विनैयिनुळ् कौळुन्देळुन्दु\*  
उन्न पादम् ऐन्न निन्ऱ\*  
ओण् शुडर् क्कौळुमलर्\*

मन्न वन्दु पूण्डु\*  
वाट्टम् इन्नि ऐङ्गुम् निन्दे ॥ 119 ॥

‡ इयक्कराद पल् पिरप्पिल्\*  
ऐन्नै माट्टि इन्दु वन्दु\*  
उयक्कोळ् मेग वण्णन् नण्णि\*  
ऐन् निलाय तन्नुळे\*  
मयक्किनान् तन् मन्नु शोदि\*  
आदलाल् ऐन् आवि तान्\*  
इयक्कैलाम् अरुत्तु\*  
अराद इन्ब वीडु पेट्टदे ॥ 120 ॥

अडिवरवु — पू आरु ऐन्दु मून्ऱु निन्ऱु नागम् ओन्ऱु आदि तादु तन्नुळ् शोल् उलगु इन्नै तूय्मै  
अङ्गम् तलै एग विडत्त पुळ् कूशम् अरङ्गन् पण्डु वानिरत्तु कङ्गै वरत्तिनिल् आण् विण् पडै  
परत्तिल् वानगम् काल कुरक्कु मिन् आदि अम्बु आडगत्त काय्त कडम् वेन्पु आनै आयन् वेरु  
वेज्जिन पाल् मण् तोडु कार् कुन्ऱु कोण्डै वेण्डिरै शरम् पोट्टै मोडि इलै मन्नु इलङ्गै शङ्गु  
मरम् शालि शेळ्ळु नडन्द करण्डम् नन्ऱु निन्ऱुदु निन्बदु इन्ऱु शण्ड मुत्तिरम् काणिलुम् कुन्दम्  
वण्डु पोदिल् मरम् अरिन्दु ओन्ऱि पुन्बल ऐट्टु शोर्वु पत्तिन् वाशि कडै ऐत्तिरम् मट्टु पिन्  
नच्चरा शाडु नेट्टि वेळ्ळै पार् कुलम् पण् विडै शुरुम्बु ऊन् अडक्कु वरम्बु वेय्य मरम् काट्टिनान्  
पिरप्पु इरन्दु विळ् तिरु कडुम् मण्णै करुत्तु काय् केडु शुरुक्कु तूयन् वैदु वाळ् शलम् ईनम्  
अत्तन् मारु अच्चम् शोल् पोन्नि इयक्कराद कावल्

तिरुच्चन्दविरुत्तम् मुट्टिट्टु  
तिरुमळिशैप्पिरान् तिरुवडिगळे शरणम्